टीकाकरण का विस्तृत ब्यौरा

टीके का नाम	कब देना है
बी.सी.जी.	जन्म के समय/ 1 साल की उम्र के भीतर
हैपेटाइटिस बी	जन्म के समय/ जन्म से 24 घंटे के भीतर
ओपीवी– 0	जन्म के समय/ जन्म से 15 दिन के भीतर
ओपीवी– 1,2,3	1½ माह, 2½ माह, 3½ माह की उम्र पर
पेंटावेलेंट– 1,2,3	1½ माह, 2½ माह, 3½ माह की उम्र पर
पी.सी.वी.	6 सप्ताह, 14 सप्ताह, बूस्टर डोज 9–12 माह
रोटा–वायरस	1½ माह, 2½ माह, 3½ माह की उम्र पर 1 साल की उम्र तक दिया जा सकता हैं
आई.पी.वी.	1½, 3½ माह की उम्र पर
मीजल्स/एम.आर–1,2	9–12 माह की उम्र पर, 16–24 माह की उम्र पर (5 साल की उम्र तक दें यदि 9–12 अथवा 16–24 माह की उम्र पर न लगा हो तो)
जे.ई. – 1	9–12 माह की उम्र पर
विटामिन ए – 1	9 माह की उम्र पर, एम.आर. के साथ
डीपीटी बूस्टर	16–24 माह की उम्र पर
ओपीवी बूस्टर	16–24 माह की उम्र पर
जे.ई. – 2	16–24 माह की उम्र पर
विटामिन ए 2–9 डोज	16–18 माह की उम्र पर इसके बाद हर 6 माह में 5 साल की उम्र तक
डीपीटी बूस्टर	5–6 साल की उम्र में
टी.टी.	10–16 साल की उम्र में

_VA H$ {bE gbh

- जन्म के तुरंत बाद से ही माँ का दूध पिलाना शुरू करें। (अधिकतम एक घंटे के अन्दर)
- छः माह तक माँ के दूध के अतिरिक्त कुछ भी न दें, पानी भी नहीं।
- बच्चे को स्तनपान के बाद कंधे पर रखकर उसकी पीठ हल्के हाथों से थपथपायें।
- बच्चे के शरीर को हमेशा गर्म रखें, बच्चे को माँ की छाती से सटा कर रखें।
- समय पर सभी टीकाकरण करवायें।
- बच्चे की नाभि में कुछ भी न लगायें एवं कान में तेल न डालें।
- शिशु के छः महीने का होने पर इसे खाना खिलाना शुरू करें। माँ के दूध के अलावा उसे दिन में 3–5 बार खाना खिलायें।
- शिशु का स्वास्थ्य परीक्षण नियमित रूप से ग्राम की आशा/आँगनबाड़ी के द्वारा करायें।
- एस.एन.सी.यू. से छुट्टी होने के उपरांत हरे कार्ड में दर्शायी गई दिनांको पर अपने बच्चे की एस.एन.सी.यू. में पुनः जाँच सुनिश्चित करें।

आपातकालीन स्थिति में कृपया निम्नलिखित पते पर सम्पर्क करें

परामर्श हेतु : नवजात शिशु गहन चिकित्सा ईकाई

_____ - _____

इमरजेंसी परिवहन हेतु

_____ - _____

2020 VERSION - UNICEF - GOI

NATIONAL HEALTH MISSION
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन

सत्यमेव जयते

SPECIAL NEW BORN CARE UNIT
Giving chance to life..!

SPECIAL NEW BORN CARE UNIT

SNCU Reg.No:..... Date of Birth :.....

Baby of (Mother's Name) :.....Sex:.....

Father's Name :.....

Address :.....

.....Ph. :.....

खतरे के आम चिन्ह

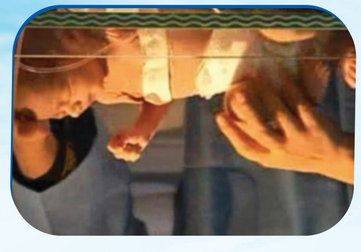

- स्तनपान या दूध पीने में कमी।
- उत्तरा बीमार हो जाये अथवा सुस्त लगता हो।
- बुखार हो या शिशु ठंडा लगता हो।
- सांस तेज चल रही हो या सांस लेने में कठिनाई हो।
- शिशु नीला पड़ रहा हो/झटके आ रहे हो।